

O REDEMPTOR

Arr SATB oleh NICHOLAS RIO
dibuat dalam rangka Misa Krisma, April 2023

1=F

Refren.

S.	2	4	<u>2</u>	1	1	2	4	<u>4</u>	5	4		4	<u>3</u>	1	2	4	2	<u>1</u>	2	2	
A.	6	6	6	.	6	X	1	X	.	1		1	.	6	1	X	X	X	.	6	
T.	4	4	4	.	4	4	4	5	.	6		5	.	3	4	4	4	<u>5</u>	4	4	
B.	2	2	1	.	1	X	6	5	.	4		6	.	1	X	X	5	6	.	2	

O re-dem- ptor sume car- men, Te- met concinen-ti- um

Ayat.

	2	1	2	4	5	4	<u>5</u>	6		6	5	6	<u>5</u>	4	<u>5</u>	6	<u>5</u>	4	4	
--	---	---	---	---	---	---	----------	---	--	---	---	---	----------	---	----------	---	----------	---	---	--

1. Arbor feta alma lu-ce hoc sa-cran-dum pro-tu-lit,
4 5 6 5 4 5 4 3 2 4 | 4 2 1 4 5 2 1 2 ||
Fert hoc prona prae-sens tur-ba Sal-vato-ri sae-cu-li.

	2	1	2	4	5	4	<u>5</u>	6		6	5	6	<u>5</u>	4	<u>5</u>	6	<u>5</u>	4	4	
--	---	---	---	---	---	---	----------	---	--	---	---	---	----------	---	----------	---	----------	---	---	--

2. Consecrare tu di-gna-re, Rex peren-nis pa-tri-ae,
4 5 6 5 4 5 4 3 2 4 | 4 2 1 4 5 2 1 2 ||
hoc o- li-vum, si-gnum vi-vum, iu-ra con-tra dae-mo-num.

	2	1	2	4	5	4	<u>5</u>	6		6	5	6	<u>5</u>	4	<u>5</u>	6	<u>5</u>	4	4	
--	---	---	---	---	---	---	----------	---	--	---	---	---	----------	---	----------	---	----------	---	---	--

3. Ut novetur sexus om-nis unctio-ne chris-ma-tis;
4 5 6 5 4 5 4 3 2 4 | 4 2 1 4 5 2 1 2 ||
ut sa-ne-tur sau-ci-a- ta dig-nita-tis glo-ri-a.

	2	1	2	4	5	4	<u>5</u>	6		6	5	6	<u>5</u>	4	<u>5</u>	6	<u>5</u>	4	4	
--	---	---	---	---	---	---	----------	---	--	---	---	---	----------	---	----------	---	----------	---	---	--

4. Lota mente sacro fon-te aufugan-tur cri-mi-na,
4 5 6 5 4 5 4 3 2 4 | 4 2 1 4 5 2 1 2 ||
Un-cta fron-te sa-cro-sanc-ta in-flu-unt cha-ris-ma-ta.

	2	1	2	4	5	4	<u>5</u>	6		6	5	6	<u>5</u>	4	<u>5</u>	6	<u>5</u>	4	4	
--	---	---	---	---	---	---	----------	---	--	---	---	---	----------	---	----------	---	----------	---	---	--

5. Corde natus ex Pa-ren-tis, alvum im-plens Vir-gi-nis,
4 5 6 5 4 5 4 3 2 4 | 4 2 1 4 5 2 1 2 ||
Prae-sta lu-cem, clau-de mor-tem chris-ma-tis con-sor-ti-bus.